दादी का सिंधारा | By Monika Agarwal

तीज्यां के सिंधारे में म्हें दादी ने बुलावांगा
मैया जी का रल मिल के म्हे लाड लडावांगा

पहल्यां तो चन्दन सु म्हे चौक पुराश्यां जी
आँगन में केसरिया अंतर छिडकाश्यां जी
चांदी री चौकी पर दादी ने बिठावांगा
तीज्यां के सिंधारे में म्हें दादी ने बुलावांगा
मैया जी का रल मिल के म्हे लाड लडावांगा

पाछे म्हें फूलां रा सोणा हार बणास्यां जी
चांदी री प्याली में म्हें मेहँदी घुलास्यां जी
तारा जड़ी चूंदड़ली दादी ने उढ़ावांगा
तीज्यां के सिंधारे में म्हें दादी ने बुलावांगा
मैया जी का रल मिल के म्हे लाड लडावांगा

बुंदिया वे भुजिया रा म्हे थाल सजासया जी
खीर और पूड़ा रो माँ के भोग लगास्यां जी
जीमेला जद दादी म्हें पंखो डुलावांगा
तीज्यां के सिंधारे में म्हें दादी ने बुलावांगा
मैया जी का रल मिल के म्हे लाड लडावांगा

बरसो पुराणी माँ आके रीत निभाओ जी
अर्ज़ी यो हर्ष करे म्हारो मान बढ़ाओ जी
मैया रे स्वागत में म्हें पलकयां बिछावांगा
तीज्यां के सिंधारे में म्हें दादी ने बुलावांगा
मैया जी का रल मिल के म्हे लाड लडावांगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%bf%e0%a4%82%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-monika-agarwal/